९७१/९६१

दिनांक-16/7/2015

16 | दैनिक जागरण नई दिल्ली, 16 जुलाई 2015

बदलेंगे कृषि विज्ञान केंद्र, उबरेगी खेती

पटना के दो दिवसीय सम्मेलन में बनेगी कारगर रणनीति, चार हजार करोड़ रुपये होंगे खर्च

सुरेंद्र प्रसाद सिंह, नई दिल्ली

देश में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्रों कों सरकार ने मजबूत बनाने का फैसला लिया है। इसके लिए लगभग चार हजार करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों का बुनियादी ढांचा मजबूत करने के साथ उन्हें आधुनिक संसाधनों से लैस किया जाएगा। प्रत्येक केंद्र पर कम से कम 10 वैज्ञानिक स्टाफ की तैनाती की जाएगी। पांच कृषि विज्ञान केंद्रों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाएगी, जिनके खिलाफ गंभीर शिकायतें मिली है। इनमें ज्यादातर गैर सरकारी संगठनों से ताल्लुक रखते हैं।

बिहार की राजधानी पटना में 25 व 26 जुलाई को आयोजित दो दिवसीय कृषि विज्ञान केंद्रों के राष्ट्रीय सम्मेलन में सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होगी। कृषि विज्ञान केंद्रों की गहन निगरानी के लिए देश में तीन नए निदेशालय स्थापित होंगे, जो पटना, पुणे और गुवाहटी में खोले जाएंगे। देश के कृषि विज्ञान केंद्रों की हालत जांचने के लिए सरकार ने पूर्व कृषि सचिव जेएनएल श्रीवास्तव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था। समिति की सिफारिशों के मद्देनजर सरकार ने इन केंद्रों के सुधार के लिए 3900 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह ने कहा कि देश के कृषि विज्ञान केंद्रों की दशा संतोषजनक नहीं है। सरकार की प्राथमिकता नए केंद्रों को खोलने की जगह मौजूद केंद्रों को आधुनिक बनाने की है। इनमें सुधार लाने के लिए सरकार सबसे पहले उनका बुनियादी ढांचा मजबूत बनाएगी। प्रशिक्षित व कुशल मानव संसाधनों की नियुक्ति कराई जाएगी। इमारतें, संसाधन, पर्याप्त भूमि, नलकूप, ट्रैक्टर, मोबिलिटी बढ़ाने के लिए जीपें, मोटर साइकिल व अन्य साधन मुहैया कराये जाएंगे। खेती के सभी जरूरी आधुनिक उपकरण, पावर आपूर्ति व सौर ऊर्जा के साधन उपलब्ध होंगे। कृषि मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक देश में कुल 642 विज्ञान केंद्रों में से 50 केंद्रों को विशेष केंद्र का दरजा दिया जाएगा। यहां फसल विशेष अथवा विशेष तरह के प्रशिक्षण देने का प्रावधान होगा। किसानों से सीधे जुड़ाव के लिए मजबूत व पर्याप्त संचार साधन मुहैया कराये जाएंगे। इन केंद्रों पर खरीफ व रबी सीजन से पहले स्थानीय किसानों के साथ विचार-विमर्श के लिए सम्मेलन बुलाया जाएगा। किसानों को उपलब्ध कराने के लिए इन केंद्रों पर विशेष पौधशालाएं स्थापित की जाएगी।

- कृषि वैज्ञानिकों समेत आधुनिक संसाधनों से लैस होंगे केंद्र
- निगरानी के लिए पटना, पुणे व गुवाहाटी में खुलेंगे तीन निदेशालय

पटना में होगा आइसीएआर का स्थापना दिवस

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) का स्थापना दिवस समारोह इस बार राजधानी दिल्ली के बजाय बिहार की राजधानी पटना में आयोजित किया जा रहा है। समारोह का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। यह पहला मौका है, जब आइसीएआर का स्थापना दिवस दिल्ली से बाहर आयोजित किया गया है। यह समारोह अब 25 जुलाई को आयोजित है। स्थापना दिवस समारोह में आइसीएआर के सभी एक सौ संस्थानों व निदेशालयों के प्रमुखों के साथ देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रमुख वैज्ञानिकों को आमंत्रित किया गया है। समारोह मे प्रधानमंत्री मोदी उन सभी विभूतियों व वैज्ञानिको को सम्मानित भी करेंगे जिन्होने पिछले साल में अपने-अपने क्षेत्र में उम्दा प्रदर्शन किया है।

सुनीता गुप्ता 16/7/15
प्रभारी, पत्रिका एवं समाचार पत्र अनुभाग

प्रतिलिपि-
1- निजी सचिव, निदेशक कार्यालय
2- निजी सचिव, संयुक्त निदेशक (प्रसार)
3- निजी सचिव, अधिष्ठाता / संयुक्त निदेशक (शिक्षा)
4- निजी सचिव, संयुक्त निदेशक (अनुसंधान)
5- प्रभारी, पी० पी० आई०
6- प्रभारी, कैटैट
7- प्रभारी, यू० एस० आई०